पत्रिका
राजस्थान पत्रिका

मुट्ठीभर सूखे मेवे सेहत को रखेंगे दुरुस्त

स्पंदन... सप्तपदी गुलाब कोठारी की कलम से

health

क्या आपके दांत सेंसेटिव हैं!

कोलकाता . रविवार
05.02.2017
sunday कोलकाता पत्रिका 4 राजस्थान पत्रिका
rajasthanpatrik

मनाया कैंसर जागरूकता दिवस, निकाली रैली

कोलकाता. विश्व कैंसर जागरूकता दिवस पर शनिवार को सरोज गुप्ता कैंसर सेंटर एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट की ओर से कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस वर्ष के आयोजन की थीम हैमेटो आंकोलॉजिकल कैंसर थी। आयोजन में कैंसर को मात देने वालों के प्रेरक अनुभव सामने आए। 150 सरवाइवर ने अपने अनुभव साझा किए।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि बांग्ला फिल्म अभिनेत्री चैती घोषाल थीं। उन्होंने कहा कि कैंसर का नाम सुनकर ही लोग घबरा जाते है। लेकिन लोगों को जागरूक होना पड़ेगा। इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. अर्णव गुप्ता ने बताया कि डब्ल्यूएचओ के अनुसार एक तिहाई कैंसर मरीजों का इलाज संभव है। कैंसर के ज्यादातर मामले तम्बाकू प्रयोग से होते है। लोगों को जागरुक होने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि कैंसर के 5 फीसदी शिकार बच्चे होते है। बच्चों में कैंसर का कारण अब तक साफ नहीं हो पाया है। बच्चों में होने वाले ल्यूकेमिया के कुल मामलों में से 80-90 फीसदी का इलाज संभव होता है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में सालाना तौर पर 200 नए पेडिएट्रिक कैंसर रोगी मिलते हैं और 500 रोगी इलाज के बाद फॉलो अप कराने आते है।

सरोज गुप्ता कैंसर सेंटर एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के कार्यक्रम में भाग लेते कैंसर के मात देने वाले लोग।

कैंसर: निकाली जागरूकता रैली

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

कोलकाता. शनिवार को विश्व कैंसर दिवस पर जागरूकता रैली निकाली गई। लोगों को कैंसर के प्रति जागरूक किया गया। डी एस रिसर्च सेंटर की ओर से शनिवार को कांकुड़गाछी से फूलबागान तक रैली निकाली गई जिसमें स्कूली बच्चे भी शामिल थे। इस मौके पर विधायक परेश पाल उपस्थित थे।

उन्होंने कहा कि यह रोग तेजी से लोगों को अपनी चपेट में ले रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि लाइफस्टाइल, तनाव व खानपान के कारण यह रोग फैल रहा है। लोगों को इसके प्रति जागरूक होने की जरूरत है। अधिकतर देखा गया है कि हल्की चोट व घाव होने पर लोग ध्यान नहीं देते है जो कि बाद में कैंसर जैसे रोग का कारण बनता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी भी घाव को हल्के में मत लें, अधिक दिन तक घाव रहे तो चिकित्सक से सम्पर्क करें। सचेत रहें और आसपास के लोगों को भी सचेत कर स्वस्थ समाज का गठन करें।